

“पिताश्री ब्रह्मा बाबा के पुण्य स्मृति निमित्त विशेष होमवर्क”

जनवरी 2023

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
1. सारे दिन में पांच घंटे बैठकर योग किया?																															
2. मुरली का चिन्तन किया?																															
3. बार-बार अशरीरी बनने का अभ्यास किया?																															
4. व्यर्थ से मुक्त सदा समर्थ रहे?																															
5. अव्यक्त रूप में स्थित होकर कर्म किया?																															

शिवभगवानुवाच :- अशरीरीपन का अनुभव करते चलो। मन्सा सेवा बढ़ाते चलो। समय आगे बहुत नाजुक आने वाला है, ऐसे टाइम पर अगर अभ्यास नहीं होगा तो सक्सेस नहीं हो सकेंगे। इसलिए बीच-बीच में 2 मिनट, 1 मिनट, पांच मिनट अशरीरी बनने का अभ्यास अपनी दिनचर्या प्रमाण अवश्य करते चलो। ऐसा समय आयेगा तो यह प्रैक्टिस बहुत-बहुत आवश्यक लगेगी। ... **अव्यक्त मुरलियों से ट्रॉफिक कन्ट्रोल पर :-** मुझ परम पवित्र फरिश्ते से सारे विश्व में पवित्रता के वायब्रेशन फैल रहे हैं....।

जनवरी 2023 के स्वमान-अभ्यास

1. मैं विदेही आत्मा हूँ।
2. मैं डबल लाइट फरिश्ता हूँ।
3. मैं निराकारी आत्मा हूँ।
4. मैं सम्पूर्ण निरहंकारी आत्मा हूँ।
5. मैं रूहानी वायब्रेशन्स फैलाने वाली आत्मा हूँ।
6. मैं महान आत्मा हूँ।
7. मैं चैतन्य मूर्ति हूँ।
8. मैं शुभ भावना, शुभ कामना संपन्न आत्मा हूँ।
9. मैं निश्चयबुद्धि विजयी आत्मा हूँ।
10. मैं खुशानसीब आत्मा हूँ।

11. मैं बेफिक्र बादशाह हूँ।
12. मैं कम्बाइंड स्वरूप आत्मा हूँ।
13. मैं तख्तनशीन आत्मा हूँ।
14. मैं त्रिकालदर्शी आत्मा हूँ।
15. मैं परमात्मा का राजदुलारा बच्चा हूँ।
16. मैं स्वराज्य अधिकारी हूँ।
17. मैं पवित्रता का समर्थ सम्राट हूँ।
18. मैं अतीन्द्रिय सुख की अनुभवी आत्मा हूँ।
19. मैं अखण्ड शान्तिमय राज्य की अधिकारी हूँ।
20. मैं सदा सन्तुष्टमणि आत्मा हूँ।
21. मैं सहजयोगी आत्मा हूँ।

22. मैं ज्ञान स्वरूप आत्मा हूँ।
23. मैं श्रेष्ठ संस्कार वाली आत्मा हूँ।
24. मैं प्रकृतिजीत आत्मा हूँ।
25. मैं अशरीरी तपस्वी आत्मा हूँ।
26. मैं विर्कमाजीत आत्मा हूँ।
27. मैं दर्शनीयमूर्त आत्मा हूँ।
28. मैं आत्मा सुख स्वरूप सुखदेव हूँ।
29. मैं अखण्ड महादानी आत्मा हूँ।
30. मैं गुणमूर्त आत्मा हूँ।
31. मैं फरिश्ता सो देवता हूँ।

ओम् शान्ति.....।